

असर (ASER) रिपोर्ट 2021

चर्चा में क्यों?

हाल ही में एनजीओ 'प्रथम'के द्वारा 16वीं 'शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट **ASER 2021** जारी की गई, जिसमें झारखंड में सरकारी विद्यालयों की ओर विद्यार्थियों की झुकाव में वृद्धि दर्शायी गई है।

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले 6-14 वर्ष आयु समूह के बच्चों की संख्या में पछिले वर्ष की तुलना में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- 2020 में झारखंड के सरकारी विद्यालयों में नामति बच्चों (6-14 वर्ष) की संख्या **72.1%** थी, जो 2021 में बढ़कर **78.6%** हो गई है।
- झारखंड के 57.6 प्रतिशत बच्चों को ट्यूशन लेना पड़ता है, जबकि राष्ट्रीय औसत सरिफ 39.2 प्रतिशत है।
- वर्ष 2021 में राज्य के वैसे नामांकति विद्यार्थी, जिनके घरों में स्मार्टफोन है, की संख्या बढ़कर 60.2 प्रतिशत हो गई है, जो वर्ष 2018 में केवल 20.6 प्रतिशत थी।
- राज्य के 89.8 प्रतिशत नामांकति बच्चों के पास उनके ग्रेड की पुस्तकें उपलब्ध हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत 91.9 प्रतिशत है।
- राज्य के 6-14 वर्ष आयु समूह के 2.7 प्रतिशत बच्चे अभी भी विद्यालयों में अनामांकति हैं, जिनमें 3.1 प्रतिशत लड़के एवं 2.3 प्रतिशत लड़कियाँ शामिल हैं।
- राज्य के केवल 15.3 प्रतिशत नामांकति विद्यार्थी ही घरों से ऑनलाइन पढ़ाई कर पा रहे हैं, जबकि केरल में यह 91 प्रतिशत है, वहीं राष्ट्रीय औसत भी झारखंड से काफी अधिक (24.2 प्रतिशत) है।
- वदिति हो कयिह रिपोर्ट द्वारा ग्रामीण भारत के बच्चों की स्कूली शिक्षा की स्थिति एवं बुनयिदी पढ़ने और गणति की क्षमता पर आँकड़े प्रस्तुत करती है।
- कोवडि-19 महामारी के कारण 'असर (ASER) 2021' रिपोर्ट एक फोन आधारति सर्वेक्षण के आधार पर तैयार की गई है।